गुजरात फार्मूला एमपी में लागू कर सकती है भाजपा

गुजरात में पूरे मंत्रिमंडल के इस्तीफे और नए सिरे से मंत्रिमंडल गठन की हलचल से प्रदेश में मंत्रियों की बढ़ी बेचैनी

कन्हैया लोधी

भोपाल, 16 अक्टूबर. गुजरात में सभी मंत्रियों का इस्तीफा लेकर नये सिरे से मंत्रिमंडल के गठन की हलचल ने प्रदेश के मंत्रियों की बेचैनी बढ़ा दी है. संभावना जताई जा रही है कि मप्र में भी गुजरात फार्मूला लागू किया जा सकता है. यदि ऐसा हुआ तो प्रदेश के कई कद्दावर मंत्रियों के लिये वापस मंत्रिमंडल में जगह पाना मुश्किल होगा.

गुजरात में दो वर्ष बाद होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए नये सिरे से मंत्रिमंडल का गठन किया जा रहा है, इसके लिये वहां के सभी मंत्रियों का इस्तीफा लिया जा रहा है. भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के इस निर्णय का असर दूसरे राज्यों के साथ मप्र पर भी पड़ना स्वाभाविक है. अब प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में एक बार फिर मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर चर्चा चल पड़ी है. पहले ऐसा माना जा रहा था कि प्रदेश में केवल मंत्रिमंडल में फेरबदल होगा. यानी ऐसे मंत्रियों को हटाया जा सकता है जो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की राह में बाधा बन रहे हैं, वहीं ऐसे मंत्रियों को भी हटाये जाने की अटकलें थीं, जिनका परफॉर्मेंस सरकार और संगठन की नजर में ठीक नहीं है. वहीं विवादित भी हैं, ऐसे में कम से कम आधा दर्जन से अधिक मंत्रियों को कैबिनेट से हटाकर उनके स्थान पर नये विधायकों को मंत्रिमंडल में स्थान दिया जा सकता है, लेकिन जिस तरह गुजरात में पूरे कैबिनेट ने ही इस्तीफा दे दिया है तो ऐसे में मप्र में भी इसी तरह की कवायद से इंकार नहीं किया जा सकता.

हांलाकि इस संबंध में निर्णय भाजपा हाईकमान को ही लेना है. भाजपा हाईकमान के पास भी

राज्य सरकार के मंत्रियों के कामकाज को लेकर लगातार रिपोर्ट पहुंचती है. ऐसे में यदि गुजरात फार्मूला मप्र में भी लागू कर दिया जाये तो कोई आश्चर्य की बात नहीं.

प्रदेश के मंत्रियों के लिये थोड़ी राहत की बात ये हो सकती है कि यदि भाजपा संगठन इस तरह का कोई निर्णय करती है, तो उनके राडार में अकेले मप्र ही नहीं बल्कि छत्तीसगढ़, राजस्थान जैसे राज्य भी शामिल होंगे, जहां एक ही समय विधानसभा चुनाव हुए थे और वहां भाजपा सरकार बनी थी. असम , उत्तराखंड जैसे राज्यों के राजनीतिक हालातों की तुलना मप्र जैसे राज्य से नहीं की जा सकती, लेकिन गुजरात जैसे पड़ोसी राज्यों के बारे में लिये गये राजनीतिक निर्णयों का असर मप्र जैसे राज्य पर पड़ सकता है.

मप्र में आधा दर्जन से अधिक हैं कद्दावर मंत्री

मप्र के मंत्रिमंडल में आधा दर्जन से अधिक ऐसे कद्दावर मंत्री हैं, जो कि बेहद ताकतवर माने जाते हैं . इनमें दोनों उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल और जगदीश देवड़ा तो शामिल हैं ही, इनके अलावा नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री कुंवर विजय शाह के नाम भी प्रमुखता से शामिल हैं . वहीं कुछ विवादित मंत्री भी हैं, जो कि मंत्रिमंडल फेरबदल होने पर संगठन और सरकार के राडार पर होंगे, इनमें विजय शाह के अलावा, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री संपतिया उईके, कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गौतम टेटवाल, गृह राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल के नाम शामिल हैं . बताया जा रहा है कि यदि गुजरात फार्मूला मप्र में अपनाया गया तो कद्दावर मंत्रियों को मंत्रिमंडल से हटाकर भाजपा के राष्ट्रीय संगठन में बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है . कम से कम दो को दूसरे राज्यों का प्रभारी तक बनाया जा सकता है . बताया जा रहा है कि प्रदेश में दिसंबर तक मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर बड़ा निर्णय लिया जा सकता है . 12 दिसंबर को डॉ . मोहन यादव के मुख्यमंत्री बने हुए दो वर्ष पूरे हो जाएंगे, वहीं इस बीच बिहार चुनाव भी पूर्ण हो जाएंगे . ऐसे में फेरबदल की राह में कोई बाधा नहीं रहेगी .

डॉक्टरों की इमरजेंसी कक्ष में निरंतर ड्यूटी अनिवार्य

- डिप्टी सीएम ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण
- स्वच्छता व दवाओं की उपलब्धता पर दिए निर्देश

भोपाल, 16 अक्टूबर. उप मुख्यमंत्री एवं सागर जिले के प्रभारी मंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सागर जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की विस्तृत समीक्षा की. उन्होंने कहा कि सभी डॉक्टर निर्धारित समय का पालन करें और मरीजों के उपचार में लापरवाही न बरतें.

शुक्ल ने निर्देश दिए कि इमरजेंसी कक्ष में ड्यूटी के अनुसार डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति हर समय सुनिश्चित की जाए. उन्होंने कहा कि हाई रिस्क गर्भवती माताओं की जांच और उपचार समय पर किया जाए. प्रत्येक माह की 9 और 25 तारीख को आयोजित जांच शिविरों में महिला विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा समुचित परीक्षण किए जाने के निर्देश दिए गए.

> शुक्ल ने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं. साथ ही कुपोषित बच्चों के पोषण हेतु पोषण पुनर्वास केंद्रों में लक्षित कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है. निरीक्षण के दौरान विधायक शैलेंद्र जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत, बीएमसी डीन डॉ. पी.एस. ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे.

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पतालों में स्वच्छता, साफ-सफाई और आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए. उन्होंने बताया कि डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी को शीघ्र पूरा किया जाएगा. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि हर नागरिक को समय पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध हो. उन्होंने टेलीमेडिसिन प्रणाली की सराहना करते हुए बताया कि इस व्यवस्था से विशेषज्ञ डॉक्टरों की सलाह ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुँच रही है, जिससे उपचार में गति और पारदर्शिता आई है.

मुख्यमंत्री निवास में किसान सम्मेलन आज

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में शनिवार 18 अक्टूबर को मुख्यमंत्री निवास पर किसान सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा. सम्मेलन में नर्मदापुरम, भोपाल, सीहोर, राजगढ़, रायसेन एवं विदिशा जिले से लगभग 2500 किसान शामिल होंगे. सम्मेलन में किसानों को भावांतर योजना के संबंध में जानकारी दी जाएगी एवं योजना का अधिकाधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया जाएगा. योजना अंतर्गत किसान 24 अक्टूबर से 15 जनवरी तक मंडी में फसल बेच सकेंगे. किसानों को 15 दिवस में भावांतर की राशि उनके आधार लिंक बैंक खातों में सीधे अंतरित की जाएगी.

चेहरे पर सौम्यता, पीछे से साजिश!

- डॉ. मुकेश नायक ने शिवराज पर बोला हमला
- शिवराज सरकार का दोहरा चरित्र हुआ उजागर

विशेष संवाददाता

भोपाल, 16 अक्टूबर. मध्यप्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष डॉ. मुकेश नायक ने बुधवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर तीखा हमला बोला, आरोप लगाते हुए कहा कि वे दिखावे की सौम्यता और दोहरे चरित्र की राजनीति कर रहे हैं.

डॉ. नायक ने मीडिया से कहा, जब हम उनसे मिलने गए,

तो शिवराज सिंह चौहान ने खरगोश जैसी सौम्य मुद्रा बनाकर बहुत विनम्रता से बात की, लेकिन जैसे ही हम बाहर निकले, हमारे खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया गया.

उन्होंने कहा कि यह घटना वर्तमान शासन में बढ़ती दिखावे की राजनीति और लोकतांत्रिक आवाज़ों को दबाने की प्रवृत्ति को उजागर करती है. जनता के सामने सेवा और विनम्रता का चेहरा दिखाया जाता है, जबकि पर्दे के पीछे विरोध करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की साजिश रची जाती है.

> **दोहरा चरित्र उजागर**
> डॉ. नायक ने कहा कि शिवराज सरकार का यह दोहरा चरित्र अब जनता के सामने उजागर हो चुका है - एक ओर सौम्यता का दिखावा और दूसरी ओर लोकतंत्र पर प्रहार.

मानसून गया, पर मेहरबानियां अभी है बाकी

- मध्यप्रदेश में फिर से पड़ेगी फुहारें, 12 जिलों में अलर्ट
- बैतूल-छिंदवाड़ा सहित कई जिलों में अलर्ट जारी

भोपाल, 16 अक्टूबर. मॉनसून की विदाई के बाद भी मध्यप्रदेश पर बादलों की मेहरबानी जारी है. दक्षिण-पश्चिम मॉनसून सामान्य तिथि से एक दिन बाद यानी गुरुवार को पूरे देश से वापस चला गया, लेकिन इसके असर से प्रदेश के कई हिस्सों में अब भी बारिश हो रही है.

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए राज्य के 12 जिलों में

ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है.

मौसम विभाग ने बड़वानी, खरगोन, बैतूल और छिंदवाड़ा जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए कहा है कि यहां अगले कुछ घंटों में मध्यम से तेज बारिश के साथ 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है. इन इलाकों में गरज-चमक और बिजली गिरने की भी चेतावनी दी गई है. विभाग ने विदिशा, उज्जैन, धार, इंदौर, देवास, सीहोर, खंडवा और सिवनी जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है.

> मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मॉनसून की विदाई के बावजूद अरबी सागर और बंगाल की खाड़ी से मिल रही नमी के कारण प्रदेश के दक्षिण और पूर्वी हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा की स्थिति बनी हुई है . इस सिस्टम के कमजोर पड़ने के बाद ही अगले सप्ताह से पूरे प्रदेश में शुष्क मौसम की स्थिति बनने की संभावना है .

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से आत्मीय भेंट कर मंत्रालय की विभागीय गतिविधियों एवं वार्षिक विकास प्रगति से अवगत कराया .

उच्च शिक्षा मंत्री से मिला प्रतिनिधिमंडल

प्रशासनिक संवाददाता

भोपाल, 16 अक्टूबर. उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार से, उनके भोपाल निवास स्थित कार्यालय में, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी नई दिल्ली द्वारा स्थापित संस्थान परमाणु ऊर्जा विभाग वैज्ञानिक अनुसंधान संकुल केंद्र के प्रतिनिधि-मंडल ने भेंट की.

मंत्री परमार ने केंद्र के प्रतिनिधि-मंडल के साथ, विद्यार्थियों को अति उन्नत वैज्ञानिक शोध सुविधायें उपलब्ध कराने सहित, शोध एवं अनुसंधान से जुड़े विविध विषयों पर सारगर्भित चर्चा की. प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में, शोध एवं अनुसंधान के लिए उक्त केंद्र की उपयोगिता के संबंध में भी विस्तृत चर्चा हुई. इस अवसर पर परमाणु ऊर्जा विभाग वैज्ञानिक अनुसंधान संकुल केंद्र के निदेशक डॉ वसंत साठे सहित केंद्र के अन्य पदाधिकारीगण मौजूद थे.

विधायक के विरुद्ध याचिका पर 29 को सुनवाई

जबलपुर. मप्र हाईकोर्ट के समक्ष बीना से विधायक निर्मला सप्रे के दलबदल के विरुद्ध विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की याचिका पर अब सुनवाई 29 अक्टूबर को होगी. इससे पहले हाईकोर्ट तय करेगा कि मामले की सुनवाई सिंगल बेंच में या डिवीजन बेंच में नियत किया जाये.

उल्लेखनीय है कि उमंग सिंघार ने कांग्रेस की बीना से विधायक निर्मला सप्रे का निर्वाचन शून्य करने की मांग की है. याचिका में

विस अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर को भी पक्षकार बनाया गया है. याचिका के अनुसार पूर्व में विधानसभा अध्यक्ष तोमर को शिकायत की गई थी. लेकिन निर्धारित 90 दिन के भीतर कार्रवाई सुनिश्चित नहीं की गई. इसलिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई. याचिका में कांग्रेस विधायक सप्रे पर पार्टी विरोधी गतिविधि का आरोप लगाया गया है. लोकसभा चुनाव के दौरान विरोधी दल भाजपा का प्रचार करते नजर आने का तथ्य रेखांकित किया गया है. याचिकाकर्ता का कहना है कि कांग्रेस विधायक सप्रे भाजपा में शामिल हो चुकी हैं.

30 लाख की चोरी का आरोपी पकड़ा

भिण्ड. जिले की गोरमी थाना पुलिस ने शुक्रवार 30 लाख रुपए की बड़ी चोरी की वारदात का खुलासा कर दिया. इस मामले में फरियादी का पड़ोसी ही आरोपी निकला, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी किए गए सोने-चांदी के जेवरात और नकदी सहित पूरा माल बरामद कर लिया.

सपना गुरु हिरासत में, तीन फरार

जहरकांड के बाद गहराया किन्नर विवाद

इंदौर,16 अक्टूबर. नंदलालपुरा में बुधवार को हुए सामूहिक जहर खाने के बाद किन्नर समाज में मचा बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा. पुलिस ने दूसरे गुट की प्रमुख सपना गुरु को हिरासत में लिया है, जबकि उसके साथी राजा हाशमी, अक्षय कुमायू और पंकज जैन अब भी पुलिस की पकड़ से दूर हैं. मामले में विधान सभा दो और तीन के विधायकों के साथ भाजापा नगर अध्यक्ष भी पु1लिस कमिश्नर से मिले.

बुधवार शाम नंदलालपुरा की गलियों में अफरा-तफरी तब मच गई थी, जब दो गुटों में विवाद के बीच 24 किन्नरों ने एक साथ फिनायल पी लिया. घटना के बाद जवाहर मार्ग और एमवाय अस्पताल तक माहौल तनावपूर्ण हो गया था, देर रात तक अस्पताल में हंगामा चलता रहा. इस मामले में क्राइम ब्रांच की शुरुआती जांच में सामने आया कि दोनों गुटों के बीच पुराने आर्थिक और आपसी विवाद चल रहे थे. किन्नर सोना मंगला गोरी और नंदगिरी महामंडलेश्वर की शिकायत पर पुलिस ने सपना गुरु, राजा हाशमी, अक्षय कुमायू और पंकज जैन पर केस दर्ज किया है. शिकायत में कहा गया है कि इन लोगों ने लगातार धमकियां दीं.

भोपाल की टीम करेगी बच्चों के सिरप में कीड़े निकलने की जांच

ग्वालियर. बच्चों के एंटीबायोटिक सिरप में काले कीड़े निकलने के मामले में भोपाल से जांच दल ग्वालियर भेजने का आदेश होने के बाद तत्काल भोपाल से ग्वालियर के लिए टीम रवाना की गई है. ग्वालियर सीएमएचओ सचिन श्रीवास्तव ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि इस मामले मे सरकार ने एक जांच दल गठित कर दिया है, जो भोपाल से ग्वालियर पहुंच भी चुका है.

गौरतलब है कि ग्वालियर में बच्चों के एंटीबायोटिक सिरप में कीड़े निकलने का मामला सामने आया है. इसकी शिकायत मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है. कोल्ड्रिफ के बाद अब

बच्चों को दिए जाने वाले एंटीबायोटिक एजिथ्रोमाइसीन ओरल सस्पेंशन सिरप में कीड़े निकलने की शिकायत सिविल सर्जन से की गई है. कीड़े निकलने की सूचना मिलते ही ड्रग डिपार्टमेंट ने संज्ञान लिया है विभाग ने एंटीबायोटिक एजिथ्रोमाइसीन सिरप के वितरण पर रोक लगाते हुए सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे हैं. ये मामला ग्वालियर के जिला अस्पताल मुरार के अधीन प्रसूति गृह का है. यहां अस्पताल की ओपीडी में एक महिला अपने बच्चे को लेकर दिखाने आई थी. स्वास्थ्य परीक्षण के बाद उसे डॉक्टर के पर्चे पर एजिथ्रोमाइसीन एंटीबायोटिक सिरप दवा वितरण केंद्र से दिया था. जब महिला ने अस्पताल से मिले सिरप की शीशी खोलकर बच्चे को पिलाने के लिए निकाला तो वह चौंक पड़ी. महिला को उसमें काले रंग का कीड़े की तरह दिखने वाला कोई एलिमेंट दिखा.

> इस मामले की सूचना खाद्य और औषधि डिपार्टमेंट को मिली तो उसने संज्ञान लिया . ड्रग इंस्पेक्टर अनुभूति शर्मा के नेतृत्व में जांच टीम सिविल हॉस्पिटल मुरार के प्रसूति अस्पताल के दवा स्टोर पर पहुंची . जहां से एंटीबायोटिक ओरल सस्पेंशन सिरप एजिथ्रोमाइसीन के सैंपल कलेक्ट किए गए . ड्रग इंस्पेक्टर अनुभूति शर्मा के निर्देश पर दवा का वितरण तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है . इसके अलावा वितरण केंद्रों पर जो सिरप सप्लाई की गई है . वहां से इसे रिकॉल कर कलेक्ट किया गया है . न सिर्फ एजिथ्रोमाइसीन के सैंपल लिए गए हैं, बल्कि कुछ अन्य दवाओं को भी जांच के दायरे में लिया गया है .

कांग्रेस का टैलेंट हंट | मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष करेंगे नेतृत्व

नई पीढ़ी के प्रवक्ताओं को करेंगे प्रशिक्षित

आशीष कुर्ल

भोपाल. कांग्रेस ने युवा प्रवक्ताओं और पैनलिस्टों को तैयार करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय टैलेंट हंट प्रोग्राम की शुरुआत 17 जुलाई 2025 को की थी. इस पहल का नेतृत्व पार्टी के मीडिया और प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा कर रहे हैं. कार्यक्रम का उद्देश्य पार्टी की विचारधारा को सशक्त रूप से जनता तक पहुँचाने में सक्षम नई पीढ़ी के प्रवक्ताओं को प्रशिक्षित करना है.

देशभर से सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने अपने वीडियो क्लिप्स और दस्तावेज़ों के साथ आवेदन किए. आवेदन प्रक्रिया 4 अगस्त को समाप्त हुई, जिसके बाद जांच समिति ने पात्र उम्मीदवारों का चयन कर ईमेल के माध्यम से इंटरव्यू के लिए सूचना दी है. चयनित युवाओं को मीडिया प्रबंधन, वाद-विवाद और संचार कौशल का प्रशिक्षण दिया जाएगा.

हालाँकि, प्रशिक्षण सत्र और इंटरव्यू की तिथियाँ बिहार विधानसभा चुनावों में वरिष्ठ नेताओं की व्यस्तता के चलते आगे बढ़ा दी गई हैं. नई तिथियों की घोषणा चुनावों के बाद की जाएगी.

> पार्टी सूत्रों के अनुसार, प्रशिक्षित युवाओं को उनके प्रदर्शन के आधार पर राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर प्रवक्ता या पैनलिस्ट के रूप में नियुक्त किया जाएगा. कांग्रेस का मानना है कि यह पहल पार्टी के मीडिया तंत्र को मजबूत करने और युवाओं को लोकतांत्रिक संवाद में सक्रिय भागीदारी का अवसर देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है.

चौकी प्रभारी पर तीन लाख रुपये का लगाया आरोप

रायसेन, 16 अक्टूबर. रायसेन जिले के जैथारी थाने से पुलिस की लापरवाही और कथित भ्रष्टाचार का गंभीर मामला सामने आया है. एक वर्ष पूर्व गांव से लापता हुई नाबालिग लड़की को हाल ही में इंदौर से चौकी जैथारी प्रभारी अरविंद पांडे ने बरामद किया, लेकिन परिजनों ने आरोप लगाया है कि चौकी प्रभारी ने आरोपी से तीन लाख रुपये लेकर पूरे मामले को दबा दिया. पीड़िता के पिता ने मुख्यमंत्री, पुलिस महानिदेशक, कलेक्टर और एसपी रायसेन के नाम आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है. आवेदन में चौकी प्रभारी पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं. पिता का कहना है कि आरोपी सोनू विश्वकर्मा, जो पहले 108 एंबुलेंस सेवा में चालक था, उनकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले गया था. पीड़िता के पिता के अनुसार, उन्होंने बेटी के लापता होने की रिपोर्ट थाना सिलवानी के अंतर्गत चौकी जैथारी में दर्ज कराई थी. लेकिन पूरे एक वर्ष बाद भी पुलिस ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की. अंतत: जब बच्ची बरामद हुई तो चौकी प्रभारी ने न तो उसका मेडिकल कराया और न ही आरोपी को गिरफ्तार किया. पिता का आरोप है कि उन्होंने चौकी प्रभारी को वीडियो रिकॉर्डिंग और फोटो साक्ष्य सौंपे थे.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14